वाढवण बंदरासाठी किनाऱ्याजवळील सुधारणा आणि किनाऱ्यावरील संरक्षणासाठीचे कंत्राट मेसर्स आय.टी.डी. सिमेंटेशन इंडिया लिमिटेडला देण्यात आले

मुंबई, 31 डिसेंबर 2024: वाढवण पोर्ट प्रकल्प लिमिटेड (व्हीपीपीएल) च्या संचालक मंडळाने आज झालेल्या आठव्या बैठकीत ग्रीनफिल्ड वाढवण बंदरासाठी जवळच्या किनाऱ्यावरील सुधारणा आणि किनाऱ्यावरील संरक्षणासाठी अभियांत्रिकी, खरेदी आणि बांधकाम (ई.पी.सी.) कंत्राट देण्यास मान्यता दिली. सर्वात कमी बोली लावणाऱ्या मेसर्स आय. टी. डी. सिमेंटेशन इंडिया लिमिटेडला त्यांच्या 1648 कोटी रुपयांच्या (जीएसटी वगळून) उद्धृत किंमतीवर कंत्राट देण्यात आले आहे जे 1770 कोटी रुपयांच्या अंदाजित खर्चापेक्षा (जीएसटी वगळून) 6.892% कमी आहे. मंजूर केलेली बोली वाजवी आणि व्यवहार्य दोन्ही मानली गेली.

जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष तसेच व्हीपीपीएल मुख्य व्यवस्थापकीय संचालक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., यावर म्हणाले की, "हा करार वाढवण बंदरासाठी मूलभूत व पायाभूत सुविधा उभारण्याच्या दिशेने टाकलेले एक महत्त्वाचे पाऊल आहे. जवळच्या किनाऱ्यावरील पुनःप्रापण प्रकल्पाच्या व त्यानंतरच्या टप्प्यांसाठी पायाभरणी करेल, ज्यामुळे आम्ही मजबूत आणि टिकाऊ पायासह पुढे जात आहोत हे सुनिश्चित होईल. आम्ही 2025 मध्ये पाऊल टाकत असताना, आम्ही कामाला गती देण्यासाठी आणि आमच्या उद्दिष्टांच्या दिशेने स्थिर प्रगती करण्यासाठी कटिबद्ध आहोत."

पुरस्कृत पॅकेजमध्ये किनारपट्टीजवळच्या सुमारे 200 हेक्टर जमिनीचा विकास समाविष्ट आहे, जो लोडिंग पॉईंट्स आणि आवश्यक पायाभूत सुविधांसह ग्रीनफिल्ड वाढवण बंदर प्रकल्पाचे इतर प्रमुख पॅकेज सुरू करण्यासाठी एक महत्त्वपूर्ण घटक आहे.

जवळच्या किनाऱ्यावरील सुधारणा आणि किनाऱ्यावरील संरक्षण पॅकेजसाठीच्या निविदेचा व्यापक प्रचार करण्यात आला, ज्याच्या सूचना भारतभरातील प्रमुख दैनिक वृत्तपत्रांमध्ये प्रकाशित करण्यात आल्या. निविदा दस्तऐवज 22 ऑक्टोबर 2024 पासून ऑनलाईन उपलब्ध करून देण्यात आला होता आणि सादर करण्याची अंतिम मुदत 19 डिसेंबर 2024 होती.

तीन नामांकित कंपन्यांनी नियत तारखेपर्यंत ऑनलाईन निविदा सादर केल्याः

- टीआयपीएल सोबत संयुक्त उपक्रमात मेसर्स मॅन इन्फ्रा कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड
- मेसर्स आयटीडी सिमेंटेशन इंडिया लिमिटेड
- मेसर्स नवयुग इंजिनिअरिंग कंपनी लिमिटेड

तिन्ही संस्था पात्रता निकषांची पूर्तता करत असल्याचे आढळून आले. त्यानंतर, 30 डिसेंबर 2024 रोजी किंमतीच्या बोली उघडण्यात आल्या आणि कंत्राट मेसर्स आय. टी. डी. सिमेंटेशन इंडिया लिमिटेडला देण्यात आले.

तसेच, कुशल मनुष्यबळासाठी विचारशील सहकार्याच्या माध्यमातून कौशल्य विकास कार्यक्रमांवरही भर दिला जात आहे. भारताची व्यापार क्षमता वाढवणारे आणि जागतिक सागरी व्यापारात आपले स्थान बळकट करणारे धोरणात्मक प्रकल्प चालवण्यासाठी वापनि परियोजना लिमिटेड वचनबद्ध आहे.

व्हीपीपीएल बद्दल :

महाराष्ट्रातील डहाणूजवळील पालघर जिल्ह्यात वसलेले वाढवण बंदर हे भारतातील 13 वे प्रमुख आणि सर्वात मोठे कंटेनर बंदर बनणार आहे. सार्वजनिक-खाजगी भागीदारी (पीपीपी) तत्वावर बांधण्यात आलेल्या टर्मिनल्ससह ते भूस्वामी मॉडेल अंतर्गत विकसित केले जात आहे. या प्रकल्पाला 19 जून 2024 रोजी दोन टप्प्यातील बांधकामासह मंत्रिमंडळाची मंजुरी मिळाली आहे.

या बंदराची सर्व-हवामान उपयुक्त रचना आणि गहन सामुद्रिक खोली तसेच धोरणात्मकदृष्ट्या प्रमुख अंतर्भागांशी अखंडित जोडणी सागरमाला उपक्रमांतर्गत भारताच्या सागरी अर्थव्यवस्थेला चालना देण्यासाठी हे बंदर आत्यंतिक महत्वाचे आहे.

वाढवण बंदर हे 100% हरित बंदर बनण्यासाठी वचनबद्ध आहे, त्याच्या स्थापनेपासून त्याच्या कामकाजात शाश्वत आणि पर्यावरणास अनुकूल पद्धतींचा समावेश करण्यात आला आहे.

प्रसारमाध्यमांच्या प्रश्नांसाठी संपर्क साधाः

अंबिका सिंह

उपमहाव्यवस्थापक (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस आणि प्रशिक्षण) वाढवण पत्तन खासगी प्रकल्प लिमिटेड

मोबाईल : +919920372677

ईमेल : ambikasingh@jnport.gov.in

वाढवण पत्तन के लिए निकट-तट सुधार और तट संरक्षण के निर्माण के लिए मेसर्स आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड को अनुबंध सौंपा गया

मुंबई, 31 दिसंबर, 2024: वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड (व्हीपीपीएल) के निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी 8वीं बैठक में ग्रीनफील्ड वाढवण पत्तन के लिए निकट-तट सुधार और तट संरक्षण के निर्माण के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) अनुबंध देने की मंजूरी दी। यह अनुबंध सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी मेसर्स आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड को उनके 1648 करोड़ रुपये (जीएसटी को छोड़कर) के मूल्य पर दिया गया है जो 1770 करोड़ रुपये (जीएसटी को छोड़कर) की अनुमानित लागत से 6.892 प्रतिशत कम है । स्वीकृत बोली को उचित और व्यवहार्य दोनों माना गया।

जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं व्हीपीपीएल के मुख्य प्रबंध निदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहां की, "यह अनुबंध वाढवन पत्तन के लिए मुख्य बुनियादी ढांचे की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निकट-तट सुधार परियोजना के बाद के चरणों के लिए आधार तैयार करेगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि हम एक मजबूत और टिकाऊ आधार के साथ आगे बढ़ें। जैसे-जैसे हम 2025 में कदम रख रहे हैं, हम काम में तेजी लाने और अपने लक्ष्यों की दिशा में निरंतर प्रगति करने के लिए तत्पर हैं।"

पुरस्कृत पैकेज में निकट तट क्षेत्र में लगभग 200 हेक्टेयर भूमि का विकास शामिल है, एक महत्वपूर्ण घटक और आवश्यक बुनियादी ढांचे सहित ग्रीनफील्ड वाढवण पत्तन परियोजना के अन्य प्रमुख पैकेजों को शुरू करने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है।

निकट तट सुधार और तट सुरक्षा पैकेज के लिए निविदा का व्यापक रूप से प्रचार किया गया था, जिसके नोटिस पूरे भारत के प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किए गए थे। निविदा दस्तावेज 22 अक्टूबर, 2024 से ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया था और जमा करने की समय सीमा 19 दिसंबर, 2024 थी।

तीन प्रतिष्ठित फर्म द्वारा नियत तिथि तक ऑनलाइन बोलियां प्रस्तुत कीं:

- टीआईपीएल के साथ संयुक्त उद्यम में मेसर्स मैन इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड
- मेसर्स आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड
- मेसर्स नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड

तीनों एजेंसियों को योग्यता मानदंडों को पूरा करते हुए पाया गया। इसके बाद, 30 दिसंबर, 2024 को मूल्य बोलियां खोली गईं और मेसर्स आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड को अनुबंध दिया गया।

इसके साथ ही कुशल कार्यबल के लिए विचारशील सहयोग के माध्यम से कौशल विकास कार्यक्रमों पर भी जोर दिया जा रहा है। वापनि परियोजना लिमिटेड भारत की व्यापार क्षमता को बढ़ावा देने और वैश्विक समुद्री वाणिज्य में अपनी स्थिति को मजबूत करने वाली रणनीतिक परियोजनाओं को चलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

व्हीपीपीएल के बारे में :

महाराष्ट्र के डहाणू के पास, पालघर जिले में स्थित, वाढवन पत्तन भारत का 13वां प्रमुख और सबसे बड़ा कंटेनर पत्तन बनने के लिए तैयार है। इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से निर्मित टर्मिनलों के साथ एक भूस्वामी मॉडल के तहत विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना को दो चरणों में निर्माण के साथ 19 जून, 2024 को कैबिनेट की मंजूरी मिली।

रणनीतिक रूप से प्रमुख भीतरी इलाकों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी के साथ स्थित पत्तन का बारहमासी ज्वारीय डिजाइन और गहन गहराई इसे सागरमाला पहल के तहत भारत की समुद्री अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बनाता है।

अपनी स्थापना के बाद से अपने संचालन में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को शामिल करते हुए 100% हरित पत्तन बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

मीडिया प्रश्नों के लिए, संपर्क करें:

अंबिका सिंह

उप महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार और प्रशिक्षण) वाढवन पत्तन परियोजना लिमिटेड

मोबाईल : +919920372677

ईमेल : ambikasingh@jnport.gov.in

Contract for the construction of near-shore reclamation and shore protection for Vadhvan Port assigned to M/s ITD Cementation India Ltd.

Mumbai, December 31st, 2024: The Board of Directors of Vadhvan Port Project Limited (VPPL), in its 8th meeting held today, approved awarding the Engineering, Procurement, and Construction (EPC) contract for the construction of Near Shore Reclamation and Shore Protection for the Greenfield Vadhvan Port. The contract has been awarded to the lowest bidder, M/s ITD Cementation India Ltd., at their quoted price of ₹1648 crore (excluding GST). which is 6.892% below the estimated cost of ₹1770 crore (excluding GST). The approved bid was deemed both reasonable and workable.

Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA and CMD, VPPL, commented, "This contract represents an important step toward establishing the core infrastructure for Vadhvan Port. The near-shore reclamation will lay the groundwork for subsequent phases of the project, ensuring we move forward with a strong and sustainable base. As we step into 2025, we look forward to accelerating the work and making steady progress toward our goals."

The awarded package encompasses the development of about 200 hectares of land in the near shore area, an important component for initiating other key packages of the Greenfield Vadhvan Port Project, including loading points and essential infrastructure.

The tender for the near shore reclamation and shore protection package was widely publicized, with notices published in major daily newspapers across India. The tender document was made available online starting October 22, 2024, and the submission deadline was December 19, 2024.

Three reputable firms submitted online bids by the due date:

- M/s Man Infra Construction Ltd. in JV with TIPL
- M/s ITD Cementation India Ltd.
- M/s Navayuga Engineering Company Ltd.

All three agencies were found to meet the qualification criteria. Subsequently, the price bids were opened on December 30, 2024, and the contract was awarded to M/s ITD Cementation India Ltd.

In parallel, emphasis is also being given to skill development programs through thoughtful collaborations for a skilled workforce. VPPL remains committed to driving strategic projects that bolster India's trade capacity and strengthen its position in global maritime commerce.

About VPPL:

Situated in Palghar district, near Dahanu, Maharashtra, Vadhvan Port is set to become India's 13th major and largest container port. It is being developed under a landlord model with terminals built through Public-Private Partnerships (PPP). The project received cabinet approval on June 19, 2024, with construction in two phases.

Strategically located with seamless connectivity to major hinterlands, the port's all-weather design and deep draft make it crucial for boosting India's maritime economy under the Sagarmala initiative.

Vadhvan Port is committed to being a 100% green port, incorporating sustainable and eco-friendly practices in its operations since its inception.

For Media Queries, Contact:

Ambika Singh, DGM (Corporate Communications & Training), Vadhvan Port Project Ltd.
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in